Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 23-11-2006

Participants : Shivanna Shri M

>

Title: Need to accord the status of classical language to Kannada.

SHRI M. SHIVANNA (CHAMRAJANAGAR)**:** The agitation demanding classical language status to Kannada has entered its third year. Writers, Actors, politicians and people from all walks of life are demanding the Union Govt. to accord classical language status to Kannada Language. The Centre has not responded to this genuine demand of the State till today.

Now, Kannada people are celebrating Suvarna Karnataka (Golden Jubilee) and the agitation has been intensified and I am afraid it may take an ugly turn if the Centre do not respond properly.

Kannada Literature has been crowned with seven Gyanpeeth awards, the highest ins the country despite hurdles in translation and lack of back up in the capital of the country. It has more 2000 year old history as far as scripts and other evidences are concerned. But, Mr. Speaker Sir, "I would like to bring to you and the hon. Members' notice that the word "Karnataka" appears in Ramayana and Mahabharatha, though it is spelt as "Karnata" and not "Karnataka". The word "Karnataka" is several thousand years old. A Sanskrit poet says that one that dances in your ears is Karnatak language and the place in Karnataka". Now, the former Vice Chancellor of Mysore University De. Javaregowda is on fast unto death. I have raised this issue on several occasions in this august House. Karnataka Govt. and the Chief Minister Mr. H.D. Kumarswamy have requested the Centre repeatedly. Therefore, I strongly demand that the Union Govt. and the Hon. Prime Minister Dr. Manmohan Singh to reciprocate the emotional feelings of the people of Karnataka by according the status of classical language to Kannada without any further delay.

…(व्यवधान)

सभापति महोदयः मैं आपकी बात सुन नहीं पा रहा हूं।

…(व्यवधान)

सभापति महोदयः आप क्या कहना चाहते हैं?

...(व्यवधान)

सभापति महोदयः आप पहले अपनी सीट पर जाइए।

...(व्यवधान)

सभापति महोदयः आप सब अपना स्थान ग्रहण करिए।

...(व्यवधान)

सभापति महोदयः मोहन सिंह जी, आप अपने माननीय सदस्यों को स्थान ग्रहण करने के लिए कहें। आपको बोलने का अवसर दिया जाएगा लेकिन वे पहले अपना स्थान ग्रहण करें। ऐसे सदन कैसे चलेगा?

...(व्यवधान)

सभापति महोदयः आप पहले स्थान ग्रहण करें।

...(व्यवधान)

सभापति महोदयः व्यवधान पैदा करने से सदन का संचालन नहीं हो सकता है। आप कोआपरेट करिए।

...(व्यवधान)

सभापति महोदयः हाउस चलाने में सहयोग दीजिए। आप अपना स्थान ग्रहण करिए। मैं आपके नेता को बोलने का मौका दे रहा हूं। सब अपना स्थान ग्रहण करें।

...(व्यवधान)

सभापति महोदयः सब बारी-बारी से बोलिए।

*(Interruptions)**

सभापति महोदयः आपकी कोई बात रिकॉर्ड में नहीं आ रही है।

...(व्यवधान)*

सभापति महोदयः राम कृपाल जी, अब आप बोलिए।

...(व्यवधान)

---

* Not Recorded

सभापति महोदयः मैं क्या कर सकता हूं? आपकी पार्टी के माननीय सदस्य सदन के संचालन में सहयोग नहीं कर रहे हैं।[r3]

... (*Interruptions*)

14.13 hrs

(*At this stage, Shri A.K.S. Vijayan and some other hon. Members*

came and stood on the floor near the Table.)

सभापति महोदय : आप अपना स्थान ग्रहण करें।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप स्थान ग्रहण नहीं कर रहे हैं। आप सदन संचालन में व्यवधान कर रहे हैं। मोहन सिंह जी आप बोलिए, आपका क्या कहना है?

...(व्यवधान)

श्री मोहन सिंह (देवरिया): हमारे मुख्यमंत्री को महाराट्र में सभा करनी थी, मुम्बई में महाराट्र सरकार ने उसे प्रतिबंधित कर दिया। हमारे पांच हजार कार्यकर्ता जेल में हैं।...(व्यवधान) हमारे दो सांसद जेल में हैं। उन्हें लाठियों से पीटा गया और सभा नहीं करने दी गई। ...(व्यवधान)* सदन में गृह मंत्री को वक्तव्य देना चाहिए।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : यह गलत परंपरा स्थापित हो रही है। आप लोग वैल में खड़े हैं, ऐसे नहीं चलेगा।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप लोग अपना स्थान ग्रहण करें। आप स्थान क्यों ग्रहण नहीं कर रहे हैं।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : इस तरह से हाउस की कार्यवाही नहीं चल सकती है।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : इस तरह से हाउस नहीं चलेगा।

...(व्यवधान)

---

*Not Recorded

MR. CHAIRMAN : The House stands adjourned to meet tomorrow the 24th November, 2006 at 11.00 a.m.

14.14 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on[r4] Friday, November 24, 2006/Agrahayana 3, 1928 (Saka).

* The Report was presented to the Hon'ble Speaker under Direction 71A of the Directions by the Speaker Lok Sabha on 31st October, 2006.

[R1](Fd. by b1)

Fd. By e [R2]1

[r3]Fd by f

[r4] Friday, March 10, 2000/Phalguna 20, 1921 (Saka).